

मंगनी के बाद जख्मी हुआ पैर, मंगेतर ने की शादी और कराया इलाज

किंग जॉर्ज विश्वविद्यालय के चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी ने पेश की सराहनीय मिसाल

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

अमृत विचार : वर्ष 2006 में रिलीज़ हुई सूरज बड़ाजात्या की फिल्म विवाह के नायक की तरह केजीएमयू के चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी ने असल जिंदगी में सराहनीय मिसाल पेश की है। मंगनी के बाद सड़क हादसे से मंगेतर का पैर गंभीर रूप से जख्मी हो गया। चलने में असमर्थता के साथ जूते पहनने पर घाव, छाले और अस्तर बनने लगा। ऐसी गंभीर परिस्थिति में मंगेतर ने युवती का साथ नहीं छोड़ा। तथा तारीख पर न केवल विवाह किया (जॉर्ज विश्वविद्यालय (केजीएमयू) के सीवीटीएस विभाग में कार्यालय चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी) न केवल शिवांगी का पैर विवाह के बाद दुर्गेश से शिवांगी (19) का संकल्प लिया। विवाह के बाद दुर्गेश पत्नी शिवांगी को केजीएमयू ले गए। शारीरिक चिकित्सा एवं पुनर्वास विभाग (डीपीएमआर) में उसका परीक्षण कराया। विभाग की प्रोस्टेटिक एवं अंथोटिक यूनिट की प्रधारी शगुन सिंह ने स्थिति का आकलन कर विशेष समाधान तैयार किया। शगुन ने बाताया इससे पहले से जख्मी होने के बावजूद दुर्गेश ने मंगेतर शिवांगी का साथ नहीं छोड़ा।

- जख्मी पैर में जूते पहनने पर घाव, छाले और अस्तर बनने लगा
- इलाज के साथ टीम ने सर्जिकल हाई-एंकल शूज किया डिजाइन
- लगभग ढेर वर्ष बाद युती फिर से सामान्य तरीके से चलने लगी

किंग जॉर्ज विश्वविद्यालय (प्यून) दुर्गेश से शिवांगी (19) का विवाह तय हुआ था। विवाह के कुछ महीने पहले अगस्त 2024 में वह हादसे का शिकार हो गई। जिसमें बाएं पैर में गंभीर चोट आई। चलना मुश्किल हो गया। जूते पहनने पर घाव, छाले और अस्तर बनने लगा। ऐसे गंभीर परिस्थिति में मंगेतर ने युवती का साथ नहीं छोड़ा। तथा तारीख पर न केवल विवाह किया बल्कि केजीएमयू ले जाकर इलाज कराया और लगातार बत्ती को प्रोत्साहित करता रहा। पति के समर्पण, प्रेम और सहयोग के साथ डॉक्टरों के प्रयास से युवती फिर से चलने किरणे लगी है।



पति दुर्गेश के साथ शिवांगी।

किंतु चलने में अत्यधिक दर्द होता था। सामान्य जूते पहनने से दबाव और घर्षण के कारण घाव के साथ खुन बहने लगता था। इसे देखते हुए डॉक्टरों की टीम ने मेटाटास्ल क्षेत्र में विशेष राहत के साथ संशोधित सर्जिकल हाई-एंकल शूज (जूता) डिजाइन किया। इस विशेष जूते से शरीर का भार पैर के आगे बाल हिस्से पर न पड़कर संतुलित रूप से बढ़ने लगा, जिससे नए घाव होने वें दूर हो गए। शिवांगी को आराम से चलने में मदद मिली। अब वह सामान्य रूप से चल सकती है। शक्ति का कहना है कि शिवांगी के लिए दोबारा अपने पैरों पर खड़ा होना केवल विवाह तय हुआ था। विवाह के कुछ महीने पहले अगस्त 2024 में वह हादसे का शिकार हो गई। जिसमें बाएं पैर में गंभीर चोट आई। चलना मुश्किल हो गया। जूते पहनने पर घाव, छाले और अस्तर बनने लगा। ऐसे गंभीर परिस्थिति में मंगेतर ने युवती का साथ नहीं छोड़ा। तथा तारीख पर न केवल विवाह किया बल्कि केजीएमयू ले जाकर इलाज कराया और लगातार बत्ती को प्रोत्साहित करता रहा। पति के समर्पण, प्रेम और सहयोग के साथ डॉक्टरों के प्रयास से युवती फिर से चलने किरणे लगी है।



इलाज के बाद विशेष शू पहने शिवांगी।

आज हजरतगंज में रहेगा रूट डायवर्जन

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

अमृत विचार: क्रिसमस-डे के अवसर पर शहर में डायवर्जन किया गया है। डीसीपी ट्रैफिक कमलेश दीक्षित ने

• दोपहर तीन बजे बताया कि कार्यक्रम गुरुवार दोपहर 3 बजे से कार्यक्रम समाप्ति तक लागू रहेगा।

यहां होगी पार्किंग जोन

■ कार्यक्रम में आगे बाले बाहन सेंट फ्रासिस स्कूल के ब्रह्मर एवं बाहर सड़क के किनारे किनारे एक पवित्र में धूप होंगे।

■ हजरतगंज गौराहे से अल्का तिराहा से मेंटेयर तिराहा पर अल्का तिराहा से बैंक ऑफ इंडिया तिराहा से शाहनजफ़ रोड मगर गौराहे तक बाहनों की पार्किंग प्रतीक्षित रहेगी।

यहां होगी पार्किंग

■ कार्यक्रम में आगे बाले बाहन सेंट फ्रासिस स्कूल के ब्रह्मर एवं बाहर सड़क के किनारे किनारे एक पवित्र में धूप होंगे।

■ हजरतगंज गौराहे से अल्का तिराहा से मेंटेयर तिराहा पर अल्का तिराहा 9454405155 पर संपर्क कर सकते हैं।

इधर से जाएं

- सुभाष/परिवर्तन थांक थांक गौराहे से बाहन मेंटेयर, अल्का होते हुए तिराहा गौराहे की ओर नहीं जाएंगे।
- केंद्री सिंह बाबू रसेंटियम तिराहे से बाहन हिन्दी संस्थान की ओर।
- हिन्दी संस्थान से बाहन मेंटेयर की ओर।
- मेंटेयर तिराहा से बाहन थांक आगे।
- अल्का तिराहा से बाहन थांक ऑफ इंडिया तिराहे की ओर।
- थांक ऑफ इंडिया तिराहा/लीला टॉकिंग तिराहा से बाहन अल्का तिराहे के कैथेड्रल रूले तक।
- डलप तिराहा से बाहन थांक ऑफ इंडिया या अल्का तिराहे की ओर।
- हजरतगंज गौराहे से अल्का, मेंटेयर की ओर।

मेधावियों को किया गया पुरस्कृत

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

अवॉर्ड तथा प्रिंसिपल कप से पुरस्कृत किया गया। छात्राओं ने चीनी छाता नृत्य, एंटीक रोम, डबके, फैलविन, एप्रो-काइकन सांबा, मैक्सिकन डांस और कथक के एक्सेसरीज़ के लिए किशोर रोड/लारेन्स ट्रैक्टोरों के बाले बाले गौराहे की ओर नहीं जाएंगे।

अमृत विचार, लखनऊ: नववाहु सीनियर सेकेंडरी स्कूल के वार्षिक समारोह के द्वारा दिन वर्ष 2024-25 में कक्षा दसवीं और बारावीं के मेधावियों को बीपी हलवारिया से संस्कृत यात्रा, कुलदीप सिंह, राजेन्द्र लोधी समेत बड़ी संख्या में लोग उपस्थित रहे।

अवॉर्ड तथा प्रिंसिपल कप से पुरस्कृत किया गया। छात्राओं ने चीनी छाता नृत्य, एंटीक रोम, डबके, फैलविन, एप्रो-काइकन सांबा, मैक्सिकन डांस और कथक के एक्सेसरीज़ के लिए किशोर रोड/लारेन्स ट्रैक्टोरों के बाले बाले गौराहे की ओर नहीं जाएंगे।

अमृत विचार, लखनऊ: बैंक ऑफ इंडिया की शाखाओं के नए परिसरों का उद्घाटन करते वाले गौराहे की ओर नहीं जाएंगे।

अमृत विचार, लखनऊ: बैंक ऑफ इंडिया की शाखाओं के नए परिसरों का उद्घाटन करते वाले गौराहे की ओर नहीं जाएंगे।

अमृत विचार, लखनऊ: बैंक ऑफ इंडिया की शाखाओं के नए परिसरों का उद्घाटन करते वाले गौराहे की ओर नहीं जाएंगे।

अमृत विचार, लखनऊ: बैंक ऑफ इंडिया की शाखाओं के नए परिसरों का उद्घाटन करते वाले गौराहे की ओर नहीं जाएंगे।

अमृत विचार, लखनऊ: बैंक ऑफ इंडिया की शाखाओं के नए परिसरों का उद्घाटन करते वाले गौराहे की ओर नहीं जाएंगे।

अमृत विचार, लखनऊ: बैंक ऑफ इंडिया की शाखाओं के नए परिसरों का उद्घाटन करते वाले गौराहे की ओर नहीं जाएंगे।

अमृत विचार, लखनऊ: बैंक ऑफ इंडिया की शाखाओं के नए परिसरों का उद्घाटन करते वाले गौराहे की ओर नहीं जाएंगे।

अमृत विचार, लखनऊ: बैंक ऑफ इंडिया की शाखाओं के नए परिसरों का उद्घाटन करते वाले गौराहे की ओर नहीं जाएंगे।

अमृत विचार, लखनऊ: बैंक ऑफ इंडिया की शाखाओं के नए परिसरों का उद्घाटन करते वाले गौराहे की ओर नहीं जाएंगे।

अमृत विचार, लखनऊ: बैंक ऑफ इंडिया की शाखाओं के नए परिसरों का उद्घाटन करते वाले गौराहे की ओर नहीं जाएंगे।

अमृत विचार, लखनऊ: बैंक ऑफ इंडिया की शाखाओं के नए परिसरों का उद्घाटन करते वाले गौराहे की ओर नहीं जाएंगे।

अमृत विचार, लखनऊ: बैंक ऑफ इंडिया की शाखाओं के नए परिसरों का उद्घाटन करते वाले गौराहे की ओर नहीं जाएंगे।

अमृत विचार, लखनऊ: बैंक ऑफ इंडिया की शाखाओं के नए परिसरों का उद्घाटन करते वाले गौराहे की ओर नहीं जाएंगे।

अमृत विचार, लखनऊ: बैंक ऑफ इंडिया की शाखाओं के नए परिसरों का उद्घाटन करते वाले गौराहे की ओर नहीं जाएंगे।

अमृत विचार, लखनऊ: बैंक ऑफ इंडिया की शाखाओं के नए परिसरों का उद्घाटन करते वाले गौराहे की ओर नहीं जाएंगे।

अमृत विचार, लखनऊ: बैंक ऑफ इंडिया की शाखाओं के नए परिसरों का उद्घाटन करते वाले गौराहे की ओर नहीं जाएंगे।

अमृत विचार, लखनऊ: बैंक ऑफ इंडिया की शाखाओं के नए परिसरों का उद्घाटन करते वाले गौराहे की ओर नहीं ज

